2019

# District Survey Report Kabirdham

as per notification no. s.o. 3611(e) New Delhi, 15th july, 2018 of ministry of environment, forest and climate change.

**DIRECTORATE OF GEOLOGY AND MINING**

**MINERAL RESOURCES DEPARTMENT**

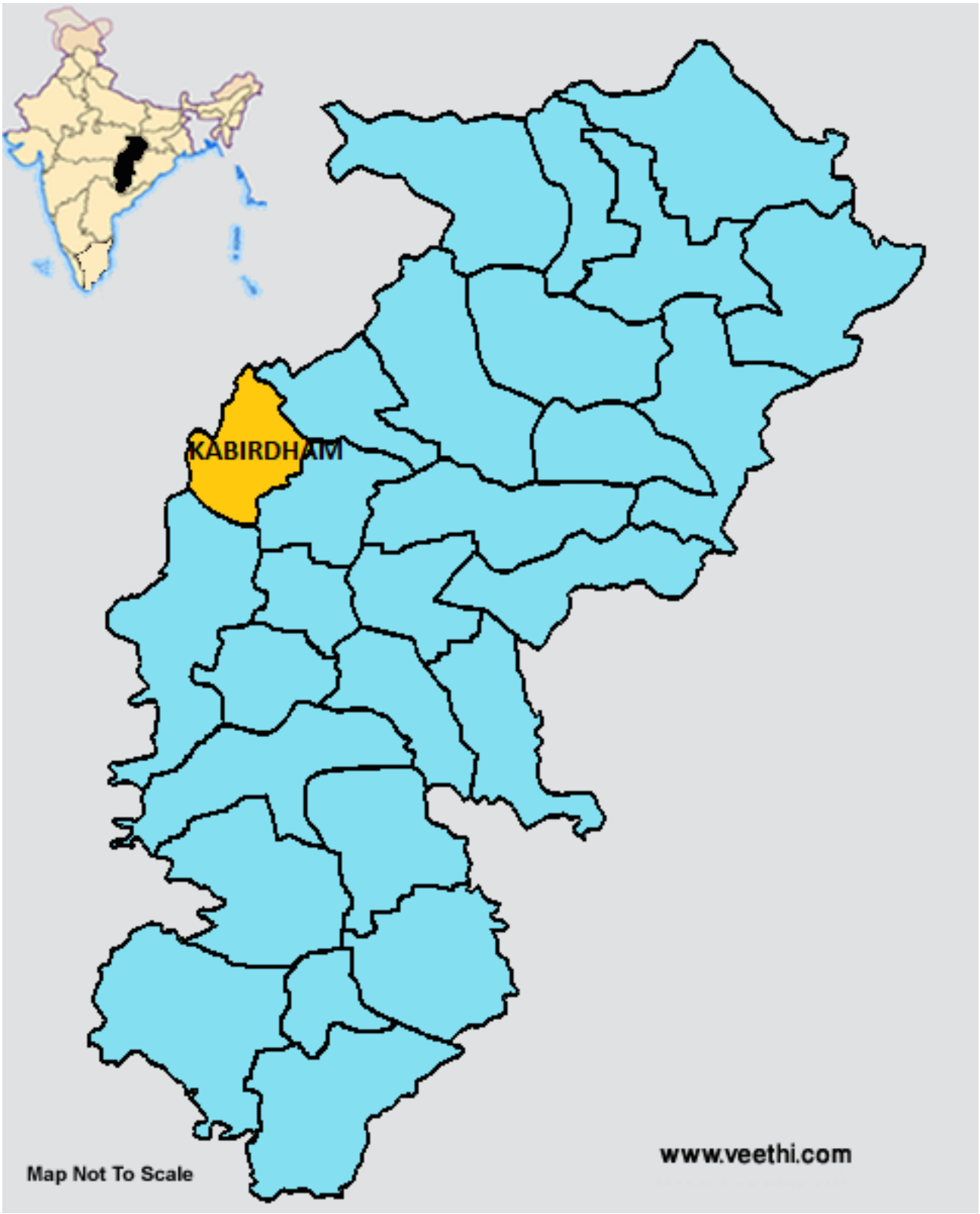
KABIRDHAM
Map Not To Scale
www.veethi.com

Kabirdham
Dindori
N
Neur
Taregaon
Kui
Sambhupipar
Pandari
Bilaspur
Hamp
Chilpi
Pandatarai
Borla
Bhoramdeo
Kawardha
Balaghat
Rengakhar
Maharajpurdih
Dasrangpur
Lohara
Map not to Scale
Salewara
Silheti
Birora
Mohgaon
Thakurtola
Gandai
Durg
Raj
Nandgaon
District Boundary
River
State Highway
Road
Trekking Routes
District Headquarter
Taluk Headquarter
Town

KAWARDHA
(Kabeerdham)
DISTRICT
N
MADHYA
PRADESH
Neur
Taregaon
Kui
To Jabalpur
Sambhupipar
Pandariya
Pandatarai
Chilpi
Bodla
MUNGELI
NH-12A
Bhoramdeo
KAWARDHA
(Kabeerdham)
Rengakhar
Maharajpurdih
Birkona
To Raipur
Dasrangpur
NH-12A
Lohara
Silheti
Birora
RAJNANDGAON
BEMETARA
Map not to Scale
Copyright © 2014 www.mapsofindia.com
(Updated on 18th June 2014)
LEGEND
National Highway
Major Road
Railway
District Boundary
State Boundary
River
District HQ
Other Town
Major Town

# 1- i`Lrkouk

भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधिसूचना क्रमांक 3611(ई), दिनांक 15 जून 2018 के पैरा 7(iii)अ में दिये निर्देश एवं परिशिष्ट 10 के अनुसार जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत है।

जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने का मुख्य उद्देश्य भूमिवृद्धि या जमाव की क्षेत्रो की पहचान जहा खनन को अनुज्ञात किया जा सकता है। अपक्षरण के क्षेत्रों की पहचान तथा उसकी अवसंरचना ढ़ॉचों और संस्थापनों से निकटता जहां खनन को प्रतिसिद्ध किया जाना चाहिए। फिर से भराव की वार्षिक गणना तथा क्षेत्र में खनन के पश्चात भराव की गणना करना होगा।

इसका उपयोग जिले में खनन उद्योग हेतु ftyk Lrjh; i;koj.k l?kkr fu/kkj.k izkf/kdj.k ¼Mhbvkbz,, **DEIAA**½ ,o ftyk Lrjh; fo'k"kK fu/kkj.k lfefr ¼Mhbz,lh**DEAC**½ द्वारा लद्यु खनिज (Minor Mineral ) एवं रेत (Sand) के खनन (Mining) हेतु पर्यावरण अनापत्ति (Environment Clearance) देने के लिए की जावेगी।

इस रिपोर्ट में कबीरधाम जिले का खनिज, भू–विज्ञान, खनन उद्योग, जल, वन, कृषि एवं सिंचाई इत्यादि से संबंधित समग्र जानकारी दी गई है।

कबीरधाम जिला का निर्माण 6 जुलाई सन् 1998 को राजनांदगांव जिला के विभाजन से हुआ। जिला में 4 तहसीलें क्रमशः कवर्धा, बोड़ला, पंडरिया व सहसपुर–लोहारा सम्मिलित किये गये। जिला का क्षेत्रफल 4447.05 वर्ग कि.मी. एवं जनसंख्या 735131 है एवं 470 ग्राम पंचायत है।

कबीरधाम जिले छत्तीसगढ़ राज्य के पश्चिम भाग में स्थित है यह जिला भारतीय सर्वेक्षण विभाग की डिग्री शीट संख्या 64-G/5 में mRrj e: 21 °32´ l: 22 °28´ v{kk'k l: iwo: e: 80 °48´ l: 81 °48´ n:'kkrj के मध्य स्थित है। यह जिला उत्तर में मुंगेली, पूर्व में बेमेतरा, दक्षिण में राजनांदगांव जिला तथा पश्चिम में मध्य प्रदेश का मण्डला एवं बालाघाट जिला से परिसीमित है। कबीरधाम जिला प्रदेश राज्य मुख्यालय रायपुर के पश्चिम भाग में स्थित है। कवर्धा, पंडरिया, बोड़ला, सहसपुर लोहारा एवं पिपरिया जिले के प्रमुख शहर है। यह जिला सड़क मार्ग से भली भॉति जुड़ा हुआ है। जिले के समस्त प्रमुख स्थान राजकीय राजमार्गो, राष्ट्रीय राजमार्ग व पक्के मार्गो द्वारा जुड़े है।

## 2. जिले में खनन कार्यकलापों पर विहंगम दृष्टि

कबीरधाम जिले में मुख्य रूप से बॉक्साईट, चूना पत्थर, मुरूम मिट्टी, रेत (बजरी), लौह अयस्क, बेसाल्ट, लैटेराइट खनिज पाये जाते है। लौह अयस्क, बेसाल्ट खनिज का खनन अभी नही हो रहा है किंतु भविष्य में नीलाम के माध्यम से Lease देने की प्रक्रिया की जावेगी। वर्तमान में मुख्य खनिज बॉक्साईट, चूना पत्थर एवं गौण खनिज निम्न श्रेणी चूना पत्थर, रेत, मुरूम/मिट्टी का खनन हो रहा हैं।

जिलें में मुख्य खनिज बॉक्साईट के 03 खदाने क्रमशः दलदली, के  केसमर्दा, रब्दा, सेमसाटा, मुण्डादादर इत्यादि ग्रामों में संचालित है व चूना पत्थर के 01 खदान मानपुर में कार्यशील हैं। गौण खनिज निम्न श्रेणी चूना पत्थर व साधारण पत्थर तथा डोलोमाईट के 24 खदानें क्रमशः तालपुर, मानपुर, भलपहरी, स. लोहारा, भीमपुरी, रणजीतपुर, पंडरिया इत्यादि ग्रामों में संचालित है। यह जिले के खनिज राजस्व प्राप्ति का मुख्य साधन है। भवन एवं सड़क निर्माण कार्य के लिए जिले के विभिन्न भागों में निम्न श्रेणी चूना पत्थर व डोलोमाइट के खनन अनुज्ञप्ति एवं मुरूम का परिवहन अनुमति प्रावधान के अनुरूप प्रदान किया गया है। वर्ष 2018–19 में जिले से शासन को रू. 20,63,61,012 जिसमें मुख्य खनिज से रू. 9,43,72,473 गौण खनिज से रू. 10,44,69,333 एवं विविध तथा रेत से क्रमशः रू. 74,70,956 रू. 48,250 राजस्व की प्राप्ति हुई।

## 3- vofLFkfr] {k= vkSj fof/kekU;rk dk dkykof/k ds lkFk ftys esa [kuu iV~Vksa dh lwph&

### ¼d½ [kfut ckWDlkbV@pwukiRFkj [kfuiV~Vk dh lwph

| Ø- | iV~Vsnkj dk uke ,oa irk | xzke | rglhy | dqy jdck ¼gsDVs;j½ | vof/k |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मे. भारत एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड कोरबा | रबदा, केसामर्दा, मुण्डादादर, सेमसाटा | बोड़ला | 626.117 | 27.03.1997 से 26.03.2047 |
| 2 | मे. महावीर मिनरल्स दुर्ग | दलदली | बोड़ला | 38.211 | 30.12.2000 से 29.12.2030 |
| 3 | मे. छत्तीसगढ़ मिनरल्स डव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड रायपुर | दलदली | बोड़ला | 05.313 | 31.03.2010 से 30.03.2030 |
| 4 | मे. जायसवाल निको प्रा.लि. रायपुर | मानपुर | स.लोहारा | 12.145 | 18.10.2000 से 17.10.2030 |

### ¼[k½ xkS.k [kfut pwukiRFkj@lk/kkj.kiRFkj@Mksykekb mRr[kfuiV~Vk dh lwph

| Ø- | iV~Vsnkj dk uke o irk | xzke ,oa rglhy | [kljk uEcj | jdck ¼gsDV- esa½ | [kfut dk uke | vof/k ¼fnukad -- ls -- rd½ |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 8 |
| 1 | श्री नारायण यादव निवासी कवर्धा | स.लोहारा / स. लोहारा | 937 | 1.315 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 03.05.1991 से 02.05.2021 |
| 2 | मो. असलम मेमन निवासी स.लोहारा | स.लोहारा / स. लोहारा | 956, 965/2 | 0.720 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 05.10.2010 से 04.10.2040 |
| 3 | श्री विजय कोठारी निवासी भिलाई | स.लोहारा / स. लोहारा | 955/2 | 0.789 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 30.05.2009 से 29.05.2039 |
| 4 | श्री मो.सलीम खान निवासी बचेड़ी | तालपुर / स. लोहारा | 35/3,4 | 0.152 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 28.09.2010 से 27.09.2025 |
| 5 | श्री ईश्वर वैशणव निवासी हथलेवा | डुमरिया / स. लोहारा | 9/1,2,4 | 0.688 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 01.02.2011 से 31.01.2021 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | मे.बी.पी.कन्सट्रक्शन कवर्धा | रणजीतपुर / स. लोहारा | 573 | 0.963 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 17.05.2012 से 16.05.2042 |
| 7 | श्री लाल शौर्य जीत निवासी साजा | कोटराबुंदेली / स. लोहारा | 186 | 2.874 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 13.12.2007 से 12.12.2037 |
| 8 | श्री राजेश सिंघानिया थान खम्हरिया | भीमपुरी / स. लोहारा | 3 / 5,7,8 10,12,14 | 1.268 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 23.05.2018 से 22.05.2048 |
| 9 | श्री आशा मिनरल्स प्रो.सुनीत तंबोली | तालपुर / स. लोहारा | 44/1,2,3 ,5,6,7,8 एवं 45 | 3.199 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 29.05.2018से 28.05.2048 |
| 10 | श्री कौशल चंद्रवंशी रामनगर कवर्धा | रणजीतपुर / स. लोहारा | 597 | 2.024 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 01.06.2018 से 31.05.2048 |
| 11 | मे.बजरंगबली माईन्स मानपुर | मानपुर / कवर्धा | 129 / 14, 15,25 | 1.153 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 19.11.2004 से 18.11.2034 |
| 12 | श्री कौशल चंद्रवंशी निवासी कवर्धा | मानपुर / कवर्धा | 129 / 16 | 0.412 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 10.01.2011 से 09.01.2021 |
| 13 | श्री प्रवीण जैन निवासी कवर्धा | मानपुर / कवर्धा | 80 | 1.234 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 17.08.2011 से 16.08.2041 |
| 14 | श्री रामरतन निर्मलकर निवासी मानपुर | मानपुर / कवर्धा | 129 / 13 | 0.345 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 19.08.2011 से 18.08.2041 |
| 15 | श्री कौशल चंद्रवंशी निवासी कवर्धा | मानपुर / कवर्धा | 82 / 2, 85 / 10,15, 16,17 एवं 83 | 1.800 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 18.05.2016 से 17.05.2046 |
| 16 | श्री मिनरल्स कवर्धा | भलपहरी / बोड़ला | 163 | 2.023 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 07.01.2002 से 06.01.2032 |
| 17 | श्री श्याम तंबोली निवासी कवर्धा | भलपहरी / बोड़ला | 163 | 1.740 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 28.11.1982 से 31.03.2020 |
| 18 | श्री अरविंद केशरवानी निवासी बोड़ला | मिनमिनिया / बोड़ला | 225 | 1.214 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 13.08.1997 से 12.08.2027 |
| 19 | श्री प्रवीण केशरवानी निवासी बोड़ला | मुडघुसरी / बोड़ला | 98 | 1.700 | साधारण पत्थर | 23.09.2004 से 22.09.2034 |
| 20 | श्री श्याम तंबोली निवासी कवर्धा | जोगीनवागांव / बोड़ला | 79 / 1 | 1.000 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 01.06.2018 से 31.05.2048 |
| 21 | श्री बिसनाथ वर्मा तरेगांव मैदान | तरेगांव मैदान / बोड़ला | 215 | 1.820 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 01.06.2018 से 31.05.2048 |
| 22 | श्री खुशाल चंद्र जैन निवासी पंडरिया | पंडरिया / पण्डरिया | 110 | 1.214 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 05.10.1994 से 04.10.2024 |
| 23 | श्री भीखम चंद भार्मा निवासी पंडरिया | झिरियाकला / पण्डरिया | 395 | 0.526 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 09.02.1996 से 08.02.2026 |
| 24 | श्री मोहन लाल जैन निवासी पंडरिया | झिरियाखुर्द / पण्डरिया | 210 / 2,4, 7,8 | 1.984 | नि.श्रे. चूनापत्थर | 17.06.2002 से 16.06.2032 |

4- fiNy: rhu o"kkl d: nkjku ikIr LokfeLo ;k jktLo d: C;kj%&

| l- Ø- | foRrh; o"kl | [kfu dk uke | Tkek jk;YVh ¼:Ik;s e½ |
|---|---|---|---|
| 1 | | रेत | निरंक |
| 2 | | मुख्य खनिज | 197775098 |
| 3 | 2016—17 | गौण खनिज | 82582788 |
| 4 | | विविध | 3142638 |
| | | ;kx | **283500524** |
| 1 | | रेत | 17900 |
| 2 | | मुख्य खनिज | 113884139 |
| 3 | 2017—18 | गौण खनिज | 63909250 |
| 4 | | विविध | 4999486 |
| | | ;kx | **182810775** |
| 1 | | रेत | 48250 |
| 2 | | मुख्य खनिज | 94372473 |
| 3 | 2018—19 | गौण खनिज | 104469333 |
| 4 | | विविध | 7470956 |
| | | ;kx | **206361012** |
| Ekgk;kx | | | **672672311** |

## 5- fiNy rhu o"kk dk nkjku cky ;k ctjh ;k xk.k [kfut dk mRiknu dk C;kjk&

| l- Ø- | foRrh; o"k | [kfu dk uke | mRiknu dh ek=k ¼?ku ehVj e½ |
|---|---|---|---|
| 1 | 2016—17 | रेत | निरंक |
| 2 | | गौण खनिज पत्थर | 59725 |
| 1 | 2017—18 | रेत | 895 |
| 2 | | गौण खनिज पत्थर | 43974 |
| 1 | 2018—19 | रेत | 965 |
| 2 | | गौण खनिज पत्थर | 58577 |

## 6- fty e ryNVk e teko dh ifØ;k&

कबीरधाम जिले मे तलछट का जमाव मुख्यतः वर्षा ऋतु मे पर्याप्त वर्षा से मृदा के अपरदन से होती है। अपरदन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसमें पदार्थों का वेदरिंग, घर्षण से छोटे कणों में विभक्त हो जाता है। नदियों की चौड़ाई के अनुसार रेत (बजरी) का जमाव विशेष जगहों पर ही होता है। जिले की समान्यतः सभी नदियों का प्रवाह पश्चिम से पूर्व की होती है पूर्व से पश्चिम ढलान के साथ नदियों की चौड़ाई बहुत ही कम है। फलतः जल धाराएं तीव्र नहीं होती और तलछट का जमाव भी कम होता है।

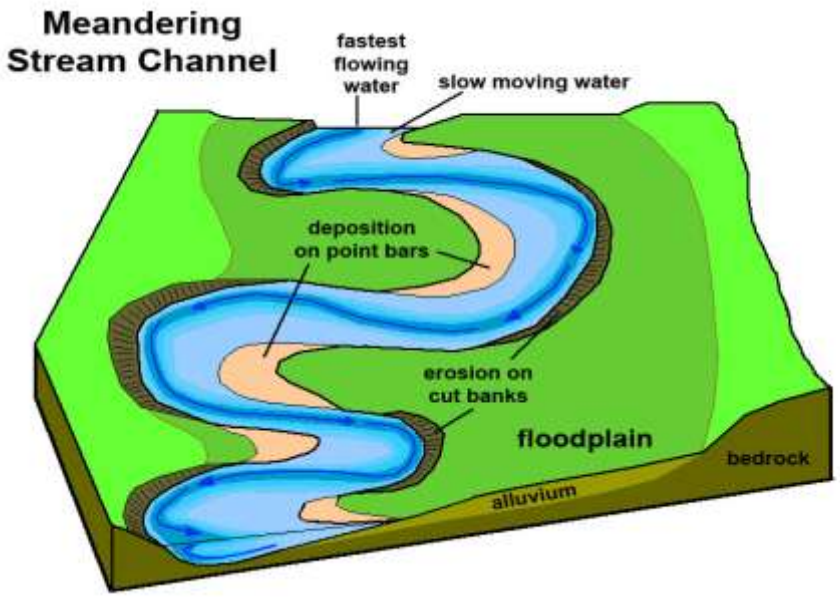

कर्रा नाला, फोक नदी, सकरी पदी पर मध्यम परियोजनाएं बनाई गई है। जिससे तलछटों का जमाव जलाशयों के जलागमन क्षेत्र भी होता है। जिले मे अल्प वर्षा के फलस्वरूप तलछटों का जमाव बहुत ही कम होता है।

0k"kk d: QyLo:Ik ryNVk dk teko ।

# 7- General Profile of District (ftys dk lkekU; ikQkby) %&

| क्रमांक | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | जिले का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल | | 4447.05 वर्ग कि.मी |
| 2 | अक्षांश एवं देशांश | | mRrj e% **21 °32´** l s **22 °28´** v{kka'k l s<br>iwoZ e% **80°48´** l s **81 °48´** ns'kkarj |
| 3 | समुद्र तल से ऊचाई | | 925 मी. अधिकतम<br>320 मी. न्यूनतम |
| 4 | औसत वर्षा | | 830 मि.मी. वार्षिक |
| 5 | तापमान | | अधिकतम– 42 सेन्टीग्रेड<br>न्युनतम – 15 सेन्टीग्रेड |
| 6 | वन क्षेत्रफल | वनमण्डल कबीरधाम | सरंक्षित वन क्षेत्र – 877.26 वर्ग कि.मी<br>आरक्षित वन क्षेत्र – 711.03 वर्ग कि.मी<br>अवर्गीकृत वन क्षेत्र – 223.83 वर्ग कि.मी<br>कुल वन क्षेत्रः– 1812.12 वर्ग कि.मी |
| | | भोरमदेव अभ्यारण्य | वन क्षेत्र – 163.80 वर्ग कि.मी |
| 7 | मिट्टी | | मटासी, कन्हार, |
| 8. | नदी तथा नाले | | सकरी नदी, हाफ नदी, आगर नदी, फोक नदी, कर्रा नदी, उत्तानी नाला, बंजर नाला |
| 9 | पर्वत | | मैकल पर्वत श्रेणी |
| 10 | जनसंख्या | | 735131 (जनगणना 2011 के अनुसार) |
| 11 | तहसील (विकासखण्ड) | | 04– कवर्धा, सहसपुर लोहारा, बोड़ला, पण्डरिया |
| 12 | नगरपालिका | | 01–कवर्धा |
| 13 | नगर पंचायत | | 04– सहसपुर लोहारा, बोड़ला, पण्डरिया, पाण्डातराई, पिपरिया |
| 14 | ग्राम पंचायत | | 461 |

## 8- ftys e: Hkfe mi;kx dk iVu ½ ou] df"k] m|ku df"k] [kuu vkfn

;krk;kr ½& कबीरधाम जिले का यातायात के प्रमुख साधन सड़क मार्ग हैं। जिला मुख्यालय एवं तहसील मुख्यालय प्रदेश की राजधानी रायपुर से सड़क मार्ग से जुड़ी हुई है। सम्पूर्ण जिला प्रधानमंत्री सड़क योजना/मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत बनी प्रमुख मार्गो से तहसील/ब्लॉक/पंचायत मुख्यालय जुड़ा हुआ है। इस प्रकार सम्पूर्ण जिला में आवगमन यातायात का पर्याप्त साधन है। राश्ट्रीय राजमार्ग बेमेतरा, रायपुर व राज्य राजमार्ग पंडरिया, सहसपुर लोहारा, राजनांदगांव, जिले मध्य से गुजरती हुई मध्यप्रदेश राज्य को जोड़ती है।

df"k ½& जिले के मुख्य व्यवसाय कृषि कार्य है ।इस जिले में प्रमुख फसल गन्ना, सोयाबीन, चना, राहल, अरबी है। जिले में चार प्रकार की मिट्टी पाई जाती है। जिसमें कन्हार एवं मटासी भाँठा एवं दोमट मुख्य है।

flpkbZ½&जिले में सिंचाई के मुख्य साधन बहेराखार जलाशय, क्षीरपानी जलाशय, कर्रानाला परियोजना है।

इसके अतिरिक्त तालाब, कुंआ, नलककूप आदि से भी सिंचाई की जाती है।

ou ½&जिले में कुल 1812.12 वर्ग कि.मी. वन क्षेत्र जिसमें 711.03 कि.मी. आरक्षित वन, 877.26 वर्ग किमी. संरक्षित वन, 223.83 वर्ग किमी. असीमांकित वन है।

ufn;k½&जिले की प्रमुख नदियां हाफ, सकरी व आगर नदी है। आगर नदी का उद्गम स्थल बोड़ला तहसील का बाकी गॉव है।

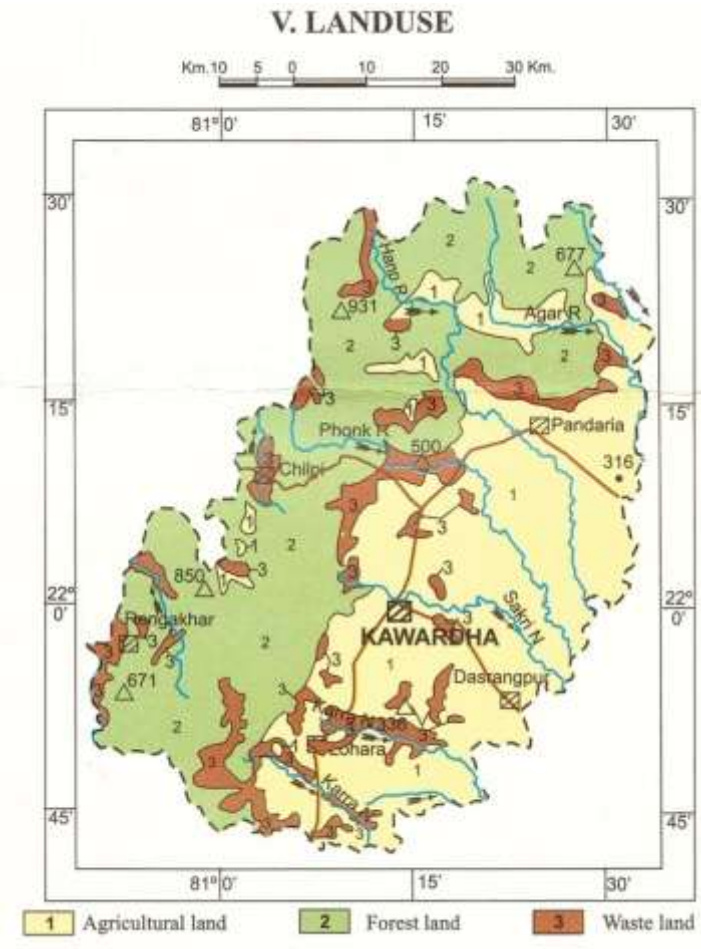

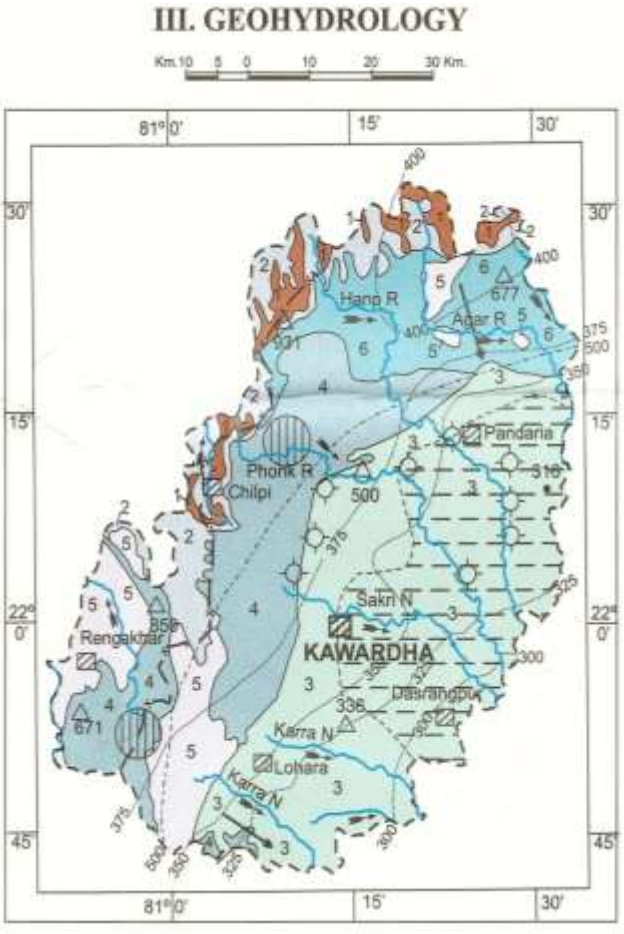

| | Lithology | Aquifer Characteristics |
|---|---|---|
| 1 | Laterite (Porous media) | Thin and extensive confined acquifers with thickness upto 30 m. bgl. |
| 2 | Deccan Trap (Fissured media) | Isolated unconfined to semiconfined to confined acquifers down to 60m bgl. Restricted to weathered zones, fractures and vesicular zones of basalt |
| 3 | Calc-argillite (Fissured media) | Discontinuous unconfined to semiconfined acquifers down to 150m bgl. Restricted to waethered zones, caverns, fractures, and contact zone with underlying formation |
| 4 | Phyllite, slate, sandstone shale(Fissured media) | Discontinuous unconfined to semiconfined aquifers down to 150m bgl. Restricted to weathered zones and fractures |
| 5 | Granite and meta-basalt (Fissured media) | Discontinuous unconfined to semiconfined aquifers down to 150m bgl. Restricted to weathered zones and fractures |
| 6 | Gneiss and schist (Fissured media) | Discontinuous unconfined to semiconfined aquifers down to 150m bgl. Restricted to weathered zones and fractures |

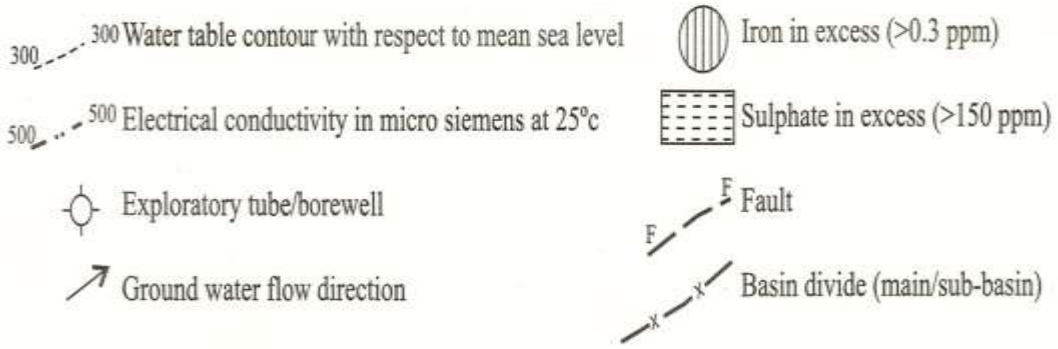

# 9- ftys dh Hkw&HkkSxksfydh

भौगोलिक रूप से कबीरधाम जिला उत्तर में 21$^{0}$32′ से 22$^{0}$28′ अक्षांश से पूर्व में 80$^{0}$48′ से 81$^{0}$48′ देशांतर के मध्य स्थित है। जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल 4447.05 वर्ग किमी. है। जिले का पश्चिमी भाग पहाड़ी व वन भूमि से अच्छादित है तथा मैकल पर्वत श्रेणी व पश्चिमी भाग छत्तीसगढ़ के मैदान के अंतर्गत आता है। जिले की औसत ऊॅचाई 353 मीटर है।

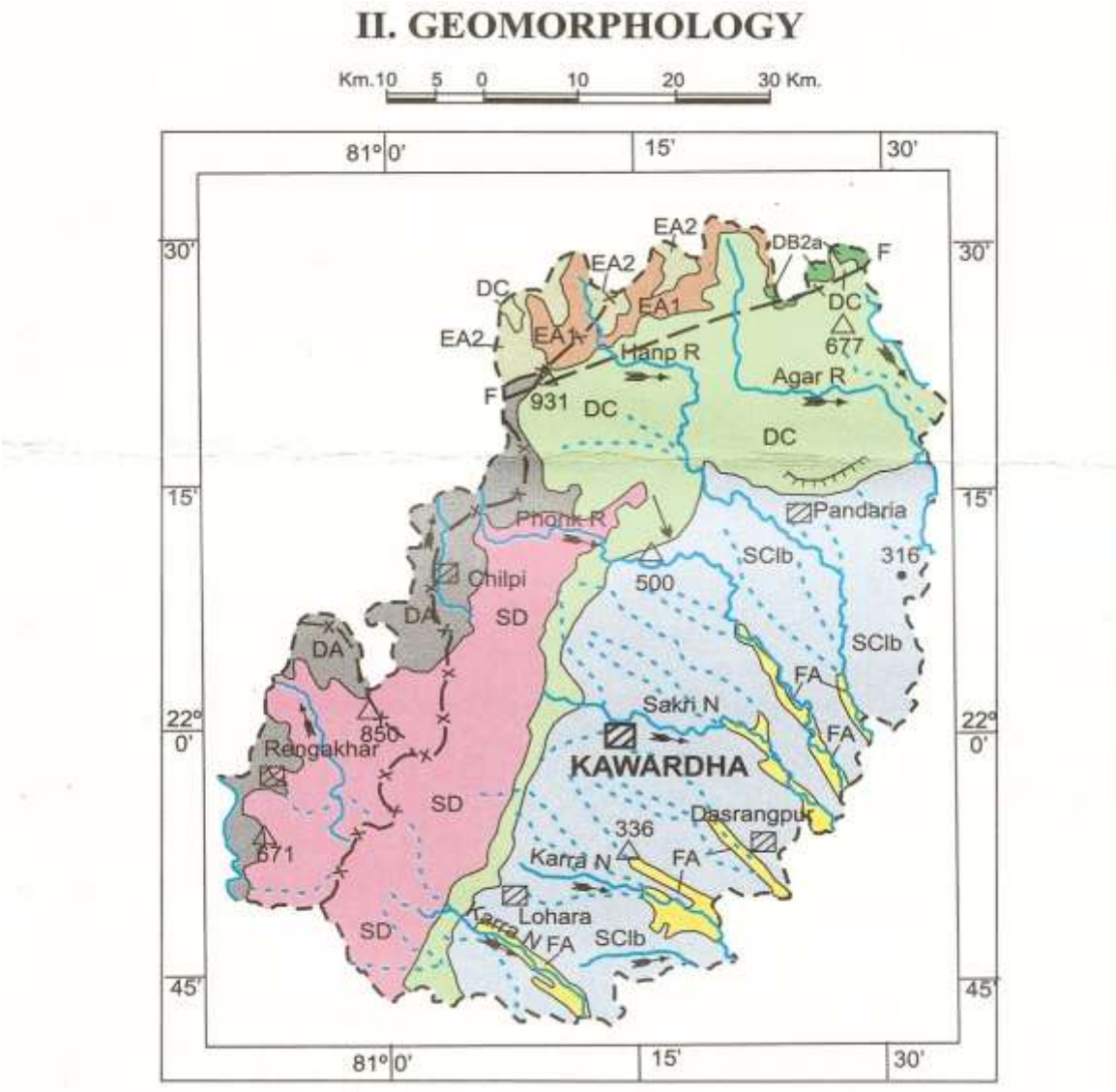

**Units of Extrusive Origin**

EA1 Region of high level plateaux (over 900m elevation)

EA2 Region of middle level plateaux (550- 900m elevation)

**Units of Structural Origin**

Sclb Structural plains on Proterozoic rocks

SD Structural hills and valleys

**Units of Denudatioanl Origin**

DA Denudational plateaux on magmatic and metamorphic rocks

DB2a Denudational Slope

Dc Pediment/Pediplain

**Units of Flvial Origin**

FA Flood plain (including In filled river beds)

**Structural Index**

Escarpment

Slope inclination (10°-20°)

F F Fault

Basin divide (Main/Sub-basin)

Perenial river

Ephemeral river

ftyk dk rglhy dh tkudkjh

| क्र. | जिला / तहसील का नाम | आक्षांश | देशांश | भौगोलिक क्षेत्रफल |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | कवर्धा | $22^0$0’27’’ | $81^0$12’58’’ | 53143 |
| 2 | स. लोहारा | $21^0$49’59’’ | $81^0$07’36’’ | 97520 |
| 3 | पंडरिया | $22^0$13’29’’ | $81^0$24’17’’ | 121778 |
| 4 | बोड़ला | $22^0$09’24’’ | $81^0$13’32’’ | 172264 |
| योग | | | | 444705 |

## 10- okf"kd vklr o"kk

**Rainfall of District Kabirdham Year wise**

| वर्श | जून | जुलाई | अगस्त | सितम्बर | अक्टूबर | योग | औसत वर्षा से प्रति. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2017–18 | 100.2 | 250.7 | 245.3 | 169.7 | 47.9 | 813.8 | 92.2 |
| 2018–19 | 101.9 | 212.7 | 245.6 | 160.1 | 48.0 | 768.3 | 88.0 |
| 2019–20 | 107.5 | – | – | – | – | – | – |
| vklr o"kk | 103-2 | 154-5 | 163-6 | 109-9 | 32-0 | 563-2 | 64-7 |

# 11-ft ;kykth vkj [kfut laink
# Geology and Mineral Wealth

## HkkfoKku %

जिले में पैलियो –प्रोटोजोईक, मिसो–नियो प्रोटोरेजोईक, क्रिटेसस् से पैलोजोईक व सिनाजोईक काल के शैल अवसादी, कायान्तरित, प्लूटोनिक आग्नेयस तथा हायपरबेसल और वाल्केनिक चट्टान व्यापक रूप से विद्यमान हैं। छत्तीसगढ सुपर ग्रुप के रॉक जिले के मध्य भाग में तथा चिल्फी ग्रुप के रॉक व डेक्कन ट्रेप, साथ ही नांदगांव ग्रुप के रॉक पश्चिमी भाग में पायी जाती हैं।

## vkfdl;u dky%

भूवैज्ञानिकी रूप से जिले में आर्कियन से कैनोजोइक काल के शैल प्रकार व्याप्त है। क्षेत्र के पुरातन शैल प्रकार आर्कियन काल (4000–2500 एम. वाय.) के बिलासपुर–रायगढ़–सरगुजा समूह, जो कि बेंगपाल समूह के समतुल्य है, को दर्शाते है। उत्तरी भाग में बिलासपुर–रायगढ़–सरगुजा समूह के शैल प्रकार व्याप्त है जो कि ग्रेनाइट व नाइस, अभ्रक शिस्ट के पुरा–खण्डों–अव्यवों से युक्त, क्लोराइट–अभ्रक शिस्ट, सिलिमेनाइट–टाल्क–क्लोराइट–अभ्रक शिस्ट, हार्नब्लेंड शिस्ट तथा कांग्लोमिरेट को दर्शाते है।

## iqjk ls ehlks&ikVsjkstksbd dky %

पुरा से मीसो–प्रोटेरोजोइक (2500–1600 एम. वाय.) काल के नांदगॉव समूह के अंतर्गत कायांतरित बेसाल्ट जिले के दक्षिण–पश्चिमी भाग में पाये जाते है। मलंझखण्ड ग्रेनिटायड भी जिले के दक्षिण–पश्चिमी भाग में त्याप्त हैं जो कि ग्रेनोडायोराइट से क्वार्टज–डायोराइट साथ में प्रायः बायोटाइट ग्रेनाइट प्रकार मीसो प्रोटेरोजोइक काल (2000–1600 एम.वाय.) के क्वार्टज डायोराइट व ग्रेनाइट पोरफिरी तथा बेसिक डाइक बिलासपुर–रायपुर–सरगुजा समूह के शैल प्रकारों को भेदते है। चिल्पी समूह के शैल प्रकार जिले के पश्चिमी भाग में व्याप्त हैं तथा स्लेट, शेल, फीलाइट, बालूपत्थर व क्वार्टजाइट से युक्त है। नांदगॉव व चिल्पी समूहों के शैल प्रकारो में क्वार्टज शिरायें अतिक्रमित रीफ–शिरायों के रूप में पायी जाती है।

## ehlks ls uo&ikVsjkstksbd dky :

मीसो से नव–प्रोटेरोजोइक काल (2000–900 एम. वाय.) के अरूपांतरित व अकायांतरित अवसादीय शैल क्रमों से युक्त छत्तीसगढ़ महासमूह के शैल प्रकार जिले के पूर्व व मध्य भागों में व्याप्त है। छत्तीसगढ़ के शैल प्रकारों को चन्द्रपुर व रायपुर समूहों में वर्गीकृत किया गया है। चन्द्रपुर समूह के शैल प्रकार अधिकांशतः एरेनाइट के साथ लौहयुक्त बालूपत्थर तथा पॉलीमिक्टिक कांग्लोमिरेट से युक्त है। लौह युक्त बालूपत्थर में शेल की पतली पर्दे पायी जाती है। रायपुर समूह के शैल प्रकारों को गुंडरदेही , चांदी, तारेंगो, हिर्री व मिनियारी संरचनास्तरों में वर्गीकृत किया गया है। गुंडरदेही संरचनास्तर के शैल प्रकार मुख्यतः विशिष्ट कैल्केरियस–आर्जिलाइट फेसिज के है। ये कैल्केरियस, अतिभंगुर, बैंगनी शेल जिसके साथ नगण्य रूप से स्ट्रोमेटोलिटक चूनापत्थर के स्तर तथा ऊपरी भाग में अर्त–सरंचनास्तरीय कांग्लोमिरेट के लेंसो से युक्त है। चांदी संरचलास्तर के शैल प्रकार मुख्यतः कैल्केरियस फेसिज के साथ अंर्त–सरंचनास्तरीय एरेनाइट से युक्त है। तारेंगा संरचलास्तर के शैल प्रकार मुख्यतः कैल्क–आर्जिलाइट फेसिज़ प्रकार है। ये डोलोमिटिक आर्जिलाइट चर्ट के स्तरों सहित, क्लेस्टोन व शेल से युक्त है। हिर्री संरचलास्तर के शैल प्रकार मुख्यतः गहरे स्लेटी, स्तरित डोलोमाइट हल्के स्लेटी महीन सतरों के आर्जीलेसियस डोलोमाइट के साथ पाये जाते है। मिनियारी संरचनास्तर के शैल प्रकार छत्तीसगढ़ द्रोणी के इतिहास के अंतिम अध्याय

को दर्शाते है। तथा सिल्टपत्थर व शेल तथा डोलोमाइट, डोलोमिटिक चूनापत्थर व जिप्सम के लेंसों से युक्त है।

## fdVf';l dky

क्रिटेश्यिस काल (136–65 एम. वाय.) के लामेटा समूह के शैल स्तर विषम विन्यास के साथ मीसो–प्रोटेरोजोइक व आर्कियन शैल प्रकारों के ऊपर जिले के पश्चिमी तथा उत्तर पश्चिमी भागों में व्याप्त है। ये शैल प्रकार चूनापत्थर कैल्केरियस बालूपत्थर, आर्कोज़ तथा कांग्लोमिरेट व मृदा से युक्त है।

## fdVf'k;l l ifyvkthu

क्रिटेशियस से पैलिओजीन काल (65–60 एम. वाय.) के डेक्कल ट्रैप के लावा स्तर जिले के पश्चिमी व उत्तरी भागों में व्याप्त है। अधिकांश भाग में डैक्कन ट्रैप के अवर्गीकृत लावा स्तरों के रूप में व्याप्त है। लेकिन जिले के पश्चिम–मध्य भाग में बेसाल्ट लावा स्तरों को लिंगा संरचना स्तर में वर्गीकृत किया गया है। ये लावा स्तर अधिकांशतः नॉन–पॉरफिरिटिक बेसाल्ट प्रकार के है।

## MDdu Vi

डेक्कल ट्रैप लावा स्तरों से विकसित उन्नत पठारों के ऊपर कैनोजोइक काल के लैटेराइट के निक्षेप व्याप्त है। ये लैटेराइट गहरे स्लेटी से पीले भूरे रंग के है तथा स्पंजी छिद्राकार, पीसोलिटिक तथा कैल्केरियस कंक्रिशन प्रकार के है। उत्तरी भाग में लैटेराइट के निक्षेप लेंसाकार बॉक्साइट के अनियमित निक्षेपों के साथ पाये जाते है।

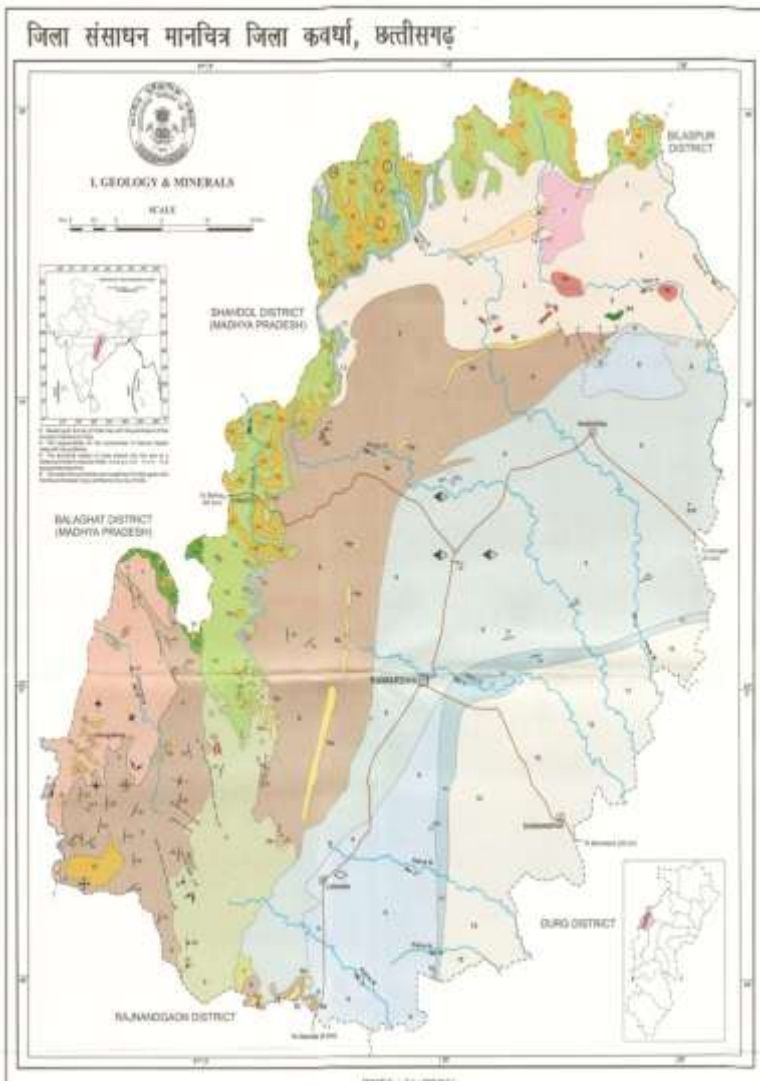

# [kfut

[kfut link %&कबीरधाम जिले में खनिज संपदा के भण्डार हैं। जिले के दलदली,केसमर्दा, रब्दा, सेमसाटा, मुण्डादादर इत्यादि क्षेत्रों में 6.12 मिलियन टन बॉक्साइट के भंडार चिन्हित किये गये है एवं साहसपुरलोहारा क्षेत्र में चूनापत्थर के भण्डार चिन्हित किये गये हैं। एकलामा, चेलीकामा क्षेत्र में 200 मिलियन टन लौह अयस्क चिन्हित किये गये हैं। बोड़ला के दक्षिणी भाग में बेसाल्ट, मध्य भाग में क्वार्टजाईट तथा पश्चिमी भाग में बायोटाईट ग्रेनाईट पाया गया है। इसके अतिरिक्त लेटेराईट, रेत (बजरी) तथा मिट्टी /मुरूम प्रचुर भंडार हैं।

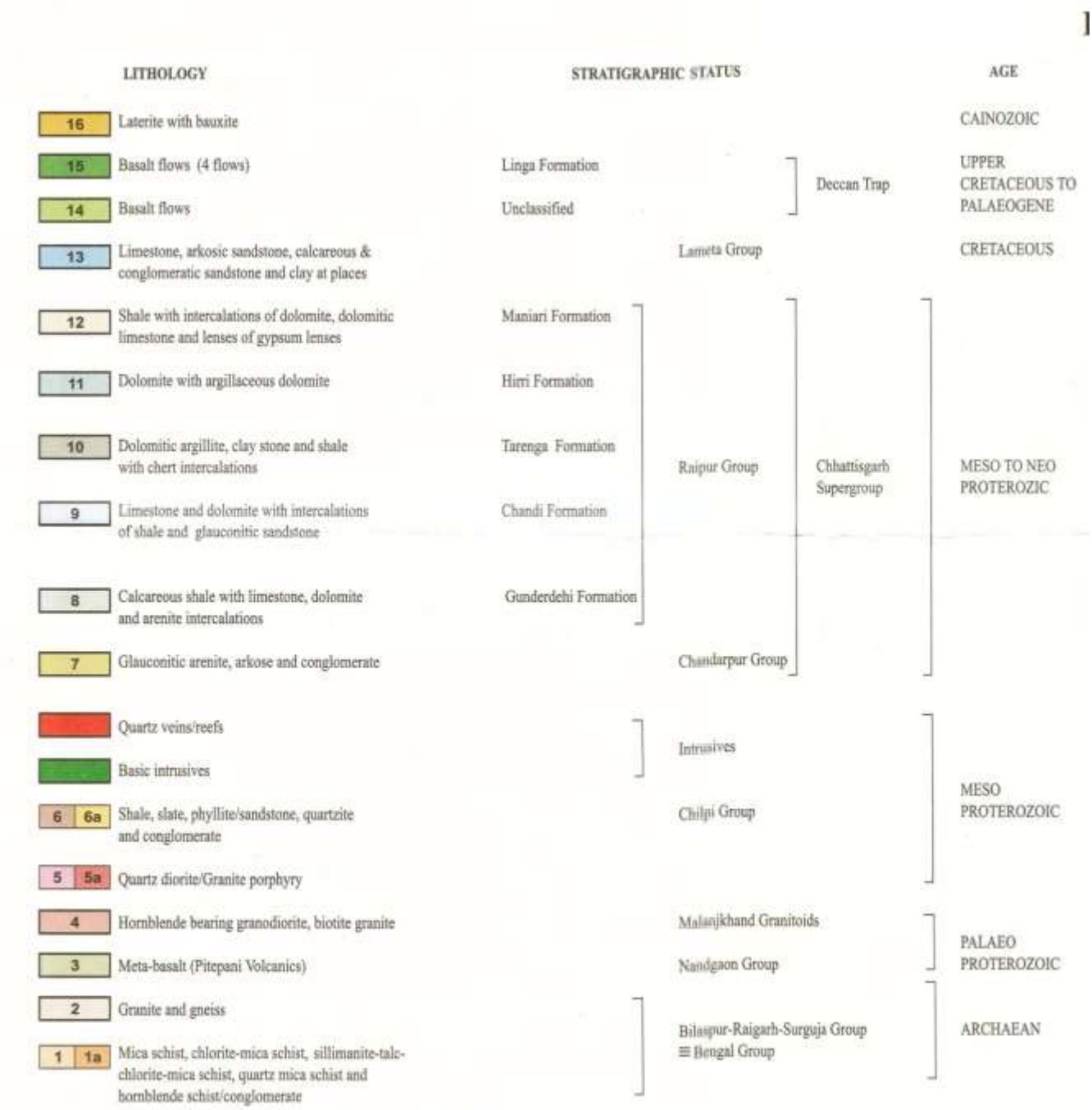

# ftys dh vfrfjDr tkudkjh

## ¼d½ dchj/kke ftys ds ufn;ksa dk C;kSjk o cgko ds vU; L=ksr

**ftys dh ufn;k–** आगर नदी का उद्गम स्थल तहसील बोड़ला का ग्राम बाकी हैं। जिले के सुदुर वनाुचल बोड़ला मैकल श्रेणी के बीच दक्षिण व पश्चिम कोने के दुरदुरी नामक स्थान से संकरी नदी का उद्गम हुआ हैं।

| क्र. | नदी का नाम | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग | खनिज रेत की उपलब्धता (घनमीटर में) |
|---|---|---|---|
| 1 | सकरी नदी | 1. चौरा<br>2. छपरी<br>3. राजपुरा–कटगो<br>4. राजानवागॉव<br>5. कोठार<br>6. अमलीडीह<br>7. सेवईकछार<br>8. कवर्धा | 273000 |
| 2 | हाफ नदी | 1. बकेला<br>2. छाटा–मड़मड़ा<br>3. खम्हरिया–कुण्डा | 16800 |
| 3 | आगर नदी | 1. पुटपुटा<br>2. दुल्लापुर<br>3. कापादाह | 96000 |

## ¼[k½ dchj/kke ftys ds cky ;k iRFkjksa dh miyC/krk ;k lexz lalk/kuA

कबीरधाम जिला वन्य बाहुल क्षेत्र होने के कारण छोटे–छोटे नाले एवं नदियां ही प्रभावित होती हैं। फलस्वरूप पहाड़ी क्षेत्रों से बहने वाली जल धाराओं से रेत संग्रहण बहुत ही कम मात्रा में होता हैं, जिसके फलस्वरूप रेत की आपूर्ति जिले में अन्य जिलों पर अधिकांश रूप में निर्भर हैं।

## ¼Xk½ dchj/kke ftys ds fo|eku jsr [kuu iV~Vks ds C;kjs rFkk lexz lalk/kuA

| Ø- | xzke iapk;r dk uke | xzke dk uke | rglhy | [k- Ø- | jdck ¼gs0 esa½ | unh dk uke | vof/k | 0kkf"kd mRiknu ek=k ¼?k-eh-½ |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | अंधरीकछार | अंधरीकछार | बोड़ला | 28 | 11.687 | हाफ | 21.07.2017 से 20.07.2019 | 50000 |
| 2 | छिरपानी | छिरपानी | पंडरिया | 96 | 02.760 | आगर | 27.10.2017 से 26.10.2019 | 14679 |

## eq[; ufn;ksa ds fooj.k lfgr fudklh i.kkyh

| क्रमांक | नदी का नाम | निकासी क्षेत्र (वर्ग कि.मी) | जिले में निकासी किया गया प्रतिशत क्षेत्र |
|---|---|---|---|
| 01 | सकरी नदी | – | 70% |
| 02 | हाफ नदी | – | 65% |
| 03 | आगर नदी | & | 30% |

## egRoiw.kZ ufn;ksa vkSj /kkjkvksa dh eq[; fo'ks"krk,sa

| स. क्र. | नदी का नाम | जिले में कुल लम्बाई (कि.मी. में) | उत्पत्ति का स्थान | उत्पत्ति पर ऊंचाई |
|---|---|---|---|---|
| 01 | सकरी नदी | 70 कि.मी. | हाथी डोंगर के पास | – |
| 02 | हाफ नदी | 55 कि.मी. | दीवानटोला के पास | – |
| 03 | आगर नदी | 40 कि.मी. | पण्डरीपानी के पास | – |

| नदी का नाम | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग | खनिज छूट के लिए सिफारिश किये गये क्षेत्र की लंबाई (कि.मी) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किये गये क्षेत्र की औसत चौडाई (मीटर में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में) | खनन योग्य खनिज संभावना (घनमीटर में) (कुल खनिज संभावना का 60% |
|---|---|---|---|---|---|
| सकरी नदी | 1. चौरा<br>2. छपरी<br>3. राजपुरा–कटगो<br>4. राजानवागॉव<br>5. कोठार<br>6. अमलीडीह<br>7. सेवईकछार<br>8. कवर्धा | 6-5 | 35 | 227500 | 273000 |
| हाफ नदी | 1. बकेला<br>2. छाटा–मड़मड़ा<br>3. खम्हरिया–कुण्डा | 3-50 | 40 | 140000 | 168000 |
| आगर नदी | 1. पुटपुटा<br>2. दुल्लापुर<br>3. कापादाह | 2-00 | 40 | 80000 | 96000 |

## [kfu t lHkkouk

| नदी का नाम | बोल्डर (एमटी) | बजरी (एमटी) | बालू (एमटी) | कुल खनन योग्य खनिज संभावना (एमटी) |
|---|---|---|---|---|
| सकरी नदी | नहीं | हॉ | नहीं | नहीं |
| हाफ नदी | नहीं | हॉ | नहीं | नहीं |
| आगर नदी | नहीं | हॉ | नहीं | नहीं |

Okkf"kd teko

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सकरी नदी | Ukgh | gk | Ukgh | Ukgh |
| हाफ नदी | Ukgh | gk | Ukgh | Ukgh |
| आगर नदी | Ukgh | gk | Ukgh | Ukgh |

| स. क्र. | नदी का नाम | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग | खनिज छूट के लिए सिफारिश किये गये क्षेत्र की लंबाई (कि.मी) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किये गये क्षेत्र की औसत चौडाई (मीटर में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में) | खनन योग्य खनिज संभावना (घनमीटर में) (कुल खनिज संभावना का 60% |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | सकरी नदी | 1. चौरा<br>2. छपरी<br>3. राजपुरा–कटगो<br>4. राजानवागॉव<br>5. कोठार<br>6. अमलीडीह<br>7. सेवईकछार<br>8. कवर्धा | 6-5 | 35 | 227500 | 273000 |
| | हाफ नदी | 1. बकेला<br>2. छाटा–मड़मड़ा<br>3. खम्हरिया–कुण्डा | 3-50 | 40 | 140000 | 168000 |
| | आगर नदी | 1. पुटपुटा<br>2. दुल्लापुर<br>3. कापादाह | 2-00 | 40 | 80000 | 96000 |